

# हिन्दी

(दूरी)(पाठ 22)(यात्रा की तैयारी)  
(कक्षा 6)

## प्रश्न 4:

समान अर्थ वाले शब्दों को रेखा खींचकर मिलाओ ।

### उत्तर 4:

- |            |          |
|------------|----------|
| 1. सागर    | शाम      |
| 2. मुश्किल | आरामदायक |
| 3. संध्या  | आनंद     |
| 4. मजा     | कठिन     |
| 5. सुखद    | समुद्र   |

## प्रश्न 5:

कोष्ठक में दिए गए शब्दों की सहायता से वाक्य पूरे करो ।  
काफी, संगम, राजधानी, मोटर लांच

### उत्तर 5:

1. कन्याकुमारी में तीन सागरों का ..... होता है ।
1. कन्याकुमारी में तीन सागरों का संगम होता है ।
2. हम तिरुअनंतपुरम् तक .....से जाएँगे ।
2. हम तिरुअनंतपुरम् तक राजधानी एक्सप्रेस से जाएँगे ।
3. मेरी तो ..... छुट्टियाँ बाकी हैं ।
3. मेरी तो काफी छुट्टियाँ बाकी हैं ।
4. हम लोग ..... से स्मारक पहुँचेंगे ।
4. हम लोग मोटर लांच से स्मारक पहुँचेंगे ।

## प्रश्न 6:

नमूने के अनुसार वाक्य बदलो

नमूना:

तुम्हें यात्रा में सामान कम रखना चाहिए ।

देखो, सामान कम रखना ।

### उत्तर 6:

1. सभी को मिठाई कम खानी चाहिए ।
1. देखो मिठाई कम खाना ।
2. हमें रात को भोजन कम करना चाहिए ।
2. देखो रात को भोजन कम करना ।

3. सभा में कम बोलना चाहिए।
3. देखो सभा में कम बोलना ।

**प्रश्न 7:**

नमूने के अनुसार वाक्य बदलकर लिखो

नमूना:

गोपाल बाजार जा रहा है।

वह बाजार जाएगा।

**उत्तर 7:**

1. पिता जी चिट्ठी लिख रहे हैं।
1. वे चिट्ठी लिखेंगे ।
2. लता साइकिल चला रही है।
2. वह साइकिल चलाएगी ।
3. हम फिल्म देख रहे हैं।
3. हम फिल्म देखेंगे ।
4. मैं तेलुगु पढ़ रही हूँ।
4. मैं तेलुगु पढ़ूंगी ।
5. तुम क्या कर रहे हो ?
5. तुम क्या करोगे ।

**प्रश्न 8:**

प्रश्नों के उत्तर दो

**उत्तर 8:**

1. निशा मैसूर क्यों जाना चाहती थी ?
1. मैसूर का दशहरा देखने के लिए निशा मैसूर जाना चाहती थी ।
2. निशा का परिवार कन्याकुमारी कैसे जाएगा ?
2. निशा का परिवार कन्याकुमारी राजधानी से जाएगा ।
3. शाम से पहले कन्याकुमारी पहुँचना क्यों जरूरी है?
3. शाम से पहले कन्याकुमारी पहुँचना इसलिए जरूरी है जिससे कि सूर्यास्त देखा जा सके ।

- 4 पूर्णिमा की संध्या को कन्याकुमारी में क्या देख सकते हैं?
4. पूर्णिमा के दिन शाम को कन्याकुमारी में चंद्रमा का उदय और सूर्य का अस्त होना एक साथ देख सकते हैं।
5. लोग विवेकानंद स्मारक कैसे पहुँचते हैं।?
5. लोग विवेकानंद स्मारक मोटर लांच से पहुँचते हैं ।